

प्रेषक,

अरविन्द सिंह ह्यांकी,
प्रभारी सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रमुख अभियन्ता,
लोक निर्माण विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

लोक निर्माण अनुभाग-3

देहरादून: दिनांक 22 दिसम्बर, 2016

विषय:- वित्तीय वर्ष 2016-17 में मा0 मुख्यमंत्री जी की घोषणा से सम्बन्धित जौलजीबी-रणुवा-तालेश्वर- झूलाघाट मोटर मार्ग की स्वीकृत अवशेष लम्बाई 5.8 किमी0 एवं 01 सेतु की अनुमति के सम्बन्ध।

महोदय,

कृपया मुख्य अभियन्ता, (पि0 क्षेत्र), लोक निर्माण विभाग, पिथौरागढ़ के पत्र संख्या 130/7 यातायात-पि0क्षे0/2016 दिनांक 22.02.2016 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा वित्तीय वर्ष 2016-17 में मा0 मुख्यमंत्री जी की घोषणा से सम्बन्धित जौलजीबी-रणुवा-तालेश्वर-झूलाघाट मोटर मार्ग की स्वीकृत अवशेष लम्बाई 5.8 किमी0 एवं 01 सेतु निर्माण कार्य की अनुमति प्रदान किये जाने की अपेक्षा की गयी है।

2- इस सम्बन्ध में अवगत कराना है कि शासनादेश संख्या 1541/111(2)/09-22 (मा0मु0घो0)/2009 दिनांक 31.03.2010 द्वारा क्रमांक 6 पर टनकपुर-झूलाघाट-जौलजीबी मोटर मार्ग के अवशेष मोटर मार्ग का निर्माण के अन्तर्गत लम्बाई 7.800 किमी0 व 01 सेतु लागत रु0 351.65 लाख के मोटर मार्ग की स्वीकृति राज्य योजनान्तर्गत प्रदान की गयी थी, परन्तु भारत सरकार के डी0ओ0 संख्या 11012/1/2010-बी0एम0बी0 दिनांक 22.12.2010 द्वारा टनकपुर से जौलजीबी तक 132.475 किमी0 लम्बाई में डबल लेन मोटर मार्ग के निर्माण की कार्यवाही प्रारम्भ नहीं हो पायी। उक्त स्वीकृति के विरुद्ध रणुवा गांव को जोड़ने हेतु 2.00 किमी0 की अनुमति शासनादेश संख्या 435/111(3)/15-46(प्रा0आ0)/2003टी0सी0111 दिनांक 2.04.2015 को प्रदान की गयी। यह कार्य राज्य योजनान्तर्गत एवं नाबार्ड-17 में स्वीकृत है।

3- इस सम्बन्ध में अन्य 10 मार्गों सहित उक्त मार्ग हेतु वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्यय में नये निर्माण कार्य की मद में रु0 2.00 करोड़ का बजट प्राविधान किया गया है, जिसके सापेक्ष वर्तमान तक लगभग रु0 55.10 लाख की राशि अवमुक्त कर दी गयी है।

4- उपर्युक्त को दृष्टिगत रखते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्य योजनान्तर्गत प्रदत्त उपर्युक्त स्वीकृतियों के सापेक्ष जौलजीबी-रणुवा-तालेश्वर-झूलाघाट मोटर मार्ग की स्वीकृत अवशेष लम्बाई 5.8 किमी0 एवं 01 सेतु के निर्माण कार्य की अनुमति प्रदान की जाती है, तत्क्रम में उक्त मार्ग के निर्माण की कार्यवाही करते हुए कार्यवाही सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

उपर्युक्त के अनुक्रम में शासनादेश संख्या 435/111(3)/15-46(प्रा0आ0)/2003, दिनांक 02.04.2015 तथा शासनादेश संख्या 1541/111(2)/09-22 (मा0मु0घो0)/2009 दिनांक 31.03.2010 को इस सीमा तक संशोधित समझा जायेगा।

संलग्न:- यथोपरि।

भवदीय,

(अरविन्द सिंह ह्यांकी,
प्रभारी सचिव।)

संख्या: 746 / III (3) / 2016 तददिनांकित।

प्रतिलिपि— निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), ओबराय मोटर्स, बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2. आयुक्त, कुमायूं मण्डल, नैनीताल।
3. संबंधित जिलाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. मुख्य अभियन्ता, (पि० क्षेत्र), लोक निर्माण विभाग, पिथौरागढ़।
5. प्रभारी मुख्य अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, क्षेत्रीय कार्यालय, पिथौरागढ़।
6. संबंधित मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- ✓ 7. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तराखण्ड, देहरादून।
8. वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
9. संबंधित अधीक्षण/अधिशाली अभियन्ता, लो०नि०वि०, उत्तराखण्ड।
10. गार्ड बुक।

आज्ञा से,

(एस०एस० टोलिया)
संयुक्त सचिव।